# रूफटॉप सोलर सिस्टम से घरेलू उपभोक्ताओं के बिजली बिल में आ सकती है 95 प्रतिशत तक की कमीः स्टडी

## रूफटॉप सोलर सिस्टम्स के लिए बीवाईपीएल और सीईईडब्ल्यू की साझेदारी

नई दिल्लीः 3 जुलाई, 2017। दक्षिण एशिया के प्रतिष्ठित रिसर्च संस्थान सीईईडब्ल्यू (काउंसिल ऑन एनर्जी, एन्वायर्नमेंट एड वॉटर) द्वारा किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि लोग अपने घरों की छतों पर सोलर सिस्टम लगाकर अपने बिजली बिल में 95 प्रतिशत तक की कमी ला सकते हैं। अध्ययन में यह बात भी सामने आई है कि जो उपभोक्ता कम्युनिटी रूफटॉप सोलर प्लांट से बिजली ले रहे हैं, वे भी अपने बिजली बिल में 35 प्रतिशत तक की कमी ला सकते हैं। इन सोलर सिस्टम की लाइफ 25 वर्षों की होती है, और इन वर्षों के दौरान उपभोक्ता अपने बिजली बिल में यह बचत कर सकते हैं।

अध्ययन में एक ऐसे बिजनेस मॉडल व कॉन्सेप्ट की बात की गई है, जो बिजली के बिल में हुई बचत से रूफटॉप सोलर सिस्टम की कीमत अदा करने का विकल्प देता है। इस नए कॉन्सेप्ट के तहत, बिजली बिल में हुई बचत से 7–8 साल की अवधि के दौरान उपभोक्ता रूफटॉप सोलर सिस्टम की कमतों का भुगतान कर सकते हैं। इस मॉडल सेरूफटॉप सोलर सिस्टम को देश भर के घरेलू उपभोक्ताओं तक पहुंचाने और उनके बीच लोकप्रिय बनाने में मदद मिलेगी।

घरेलू स्तर पर रूफटॉप सोलर सिस्टम्स के लोकप्रिय होने से स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर नौकरियां भी आएंगी। 2017–18 के दौरान, प्रति गीगावॉट सोलर क्षमता के लिए 14,000 नौकरियों का सृजन हुआ। देश के सोलर सेक्टर में 2022 तक और 30,000 नौकरियां पैदा होने का अनुमान है।

दरअसल, सोलर सिस्टम की कमतों में पिछले कुछ वर्षों के दौरान 27 प्रतिशत की कमी आई है और सरकार द्वारा 30 प्रतिशत की सब्सिडी भी दी जा रही है। इसके बावजूद, अब तक देशभर में सिर्फ 400 मेगावॉट क्षमता के सोलर रूफटॉप प्लांट्स ही लगाए जा सके हैं। दिल्ली में, 60 मेगावॉट क्षमता के सोलर प्लांट्स लगाए गए हैं। जबकि, घरेलू उपभोक्ताओं के स्तर पर सोलर रूफटॉप सिस्टम में अपार संभावनाएं हैं।

स्टडी में यह बात भी सामने आई है कि घरेलू उपभोक्ताओं के बीच रूफटॉप सोलर सिस्टम को लोकप्रिय बनाने के लिए बिजली वितरण कंपनियों से साझेदारी के अलावा, नए कॉन्सेप्ट भी विकसित करने होंगे और लोगों को वित्तीय मदद उपलब्ध कराने पर जोर देना होगा। यह अध्ययन दक्षिण एशिया की नामी रिसर्च फर्म सीईईडब्ल्यू ने बीवाईपीएल के साथ मिलकर पूर्वी और मध्य दिल्ली के इलाकों में किया है।

इस सिलसिले में राजधानी दिल्ली में आयोजित सीईईडब्ल्यू डायलॉग को संबोधित करते हुए नवीन व अक्षय ऊर्जा मंत्रालय के अडिशनल सेक्रेटरी श्री प्रवीण कुमार ने कहा– देश के हर नागरिक के पास यह अवसर है कि वह भारत के स्वच्छ ऊर्जा बदलाव में भागीदार बने। बिजली की बढ़ रही मांग को पूरा करने के लिए रूफटॉप सोलर को अपनाकर वे इस बदलाव में साझीदार बन सकते हैं। भारत के अक्षय ऊर्जा से जुड़ी महत्वाकांक्षाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, रूफटॉप सोलर। घरों, डेवलेपरों, डिस्कॉम्स और फाइनैंसरों के सामने आ रही चुनौतियों को समझना और उनका समाधान करना, घरेलू स्तर पर रूफटॉप सोलर को बढ़ावा देने के लिए काफी जरूरी है। सरकार की प्रस्तावित स्कीम *सृष्टि* से इस सेक्टर को गति मिलेगी। मैं सीईईडब्ल्यू को बधाई देता हूं कि वह तीन युटिलिटी के नेतृत्व वाले बिजनेस मॉडल को सामने लेकर आई ताकि बाजार की चुनौतियों से निपटा जा सके और ऐसा माहौल बनाया जाए कि घरेलू स्तर पर लोग रूफटॉप सोलर को अपनाएं।

बीवाईपीएल के सीईओ श्री पी. आर. कुमार ने कहा– पर्यावरण पर पड़ने वाले बेहतर असर और उपभोक्ताओं के बिजली बिल में कमी लाने की इसकी क्षमता को देखते हुए, बीवाईपीएल सोलर रूफटॉप सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह साझेदारी, सोलर एनर्जी से जुड़े हमारे उन्हीं प्रयासों की एक कड़ी है, और भविष्य में भी हम इसे प्रोत्साहन देते रहेंगे। सौर ऊर्जा को बढ़ावा देकर हम पीक डिमांड को बेहतर तरीके से मैनेज कर सकते हैं, और साथ ही, इससे हमें अपने रिन्युएबल परचेज ऑब्लिगेशन यानी आरपीओ संबंधी लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी मदद मिलेगी।

श्री कुमार ने आगे कहा– बीवाईपीएल के ज्यादातर उपभोक्ता आवासीय श्रेणी में आते हैं। हम सीईईडब्ल्यू–बीवाईपीएल साझेदारी से खुश हैं कि हमने एक फिट–फॉर–परपस मॉडल बनाया है जो घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं को अपना बिजली बिल कम करने में मदद करेगा। इसका लाभ सही अर्थों में घरेलू उपभोक्ताओं तक पहुंचे, इसके लिए रेगुलेटरी की ओर से सहयोग जरूरी होगा।

सीईईडब्ल्यू के सीईओ डॉ अरूनाभ घोष ने कहा– रूफटॉप सोलर न सिर्फ भारत के अक्षय ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है, बल्कि एनर्जी ट्रांजिशन को सहयोग देने के लिए सिविल सोसाइटी के आंदोलन को भी यह आगे बढ़ाएगा। पारंपरिक रूफटॉप बिजनेस ऑफरिंग्स, हाउसहोल्ड डिमांड या आवासीय उपभोक्ताओं पर फोकस करने के लिए सोलर डेवलपर्स को इंसेटिवाइज करने में असफल साबित हुआ है। डिस्कॉम्स की अधिक से अधिक भागीदारी और इनोवेटिव बिजनेस मॉडल्स को अपनाकर, घरेलू उपभोक्ताओं के स्तर पर इसे लोकप्रिय बनाया जा सकता है। हाल ही में प्रस्तावित *सृष्टि* स्कीम से, डिस्कॉम्स को वित्तीय इंसेंटिव्स से, रूफटॉप सोलर सिस्टम्स के अडॉप्शन के लिए प्रोत्साहन मिला है। डिस्कॉम्स उपभोक्ताओं की मांग का आकलन कर रकती है, वित्तीय संस्थानों के साथ साझेदारी कर सकती है, रूफटॉप सिस्टम की थोक खरीद में योगदान दे सकती है, प्रोजेक्ट डिप्लॉयमेंट को देख सकती है और उपभोक्ताओं द्वारा समय पर भुगतान सुनिश्चित कर सकती है।

*प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।*